S-829

Total Pages : 4 Roll No. .....

C-14(HI)

Intervention & Teaching Strategies

B.Ed. Special Education

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

Note : This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

SECTION–A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains Five (05) long answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any Two (02) questions only.

(2×19=38)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you understand by pre-school training programmes for early intervention. Write its importance, need, requirements and plan of action for hearing impaired children.

शीघ्र हस्तक्षेप के लिए प्री-स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रमों से आप क्या समझते हैं? श्रवण-बाधित बच्चों के लिए इसका महत्त्व, आवश्यकता, अपेक्षाएं और कार्य योजना लिखिए।

2. Define auditory listening. Describe the major approaches of auditory listening and explain the types and stages of auditory training with examples.

ध्वणि श्रवण (सुनना) को परिभाषित कीजिए। ध्वनि श्रवण (सुनना) के प्रमुख उपागमों का वर्णन कीजिए तथा उदाहरणों के साथ श्रवण प्रशिक्षण के प्रकार और चरणों की व्याख्या करें।

3. Write the definition and need of a lesson plan. Formulate an individual teaching Lesson plan taking any topic for hearing-impaired children of secondary classes.

पाठ योजना की परिभाषा और आवश्यकता लिखें। माध्यमिक कक्षाओं के श्रवण-बाधित बच्चों के लिए किसी भी विषय/प्रकरण को लेकर व्यक्तिगत शिक्षण पाठ योजना तैयार कीजिए।

4. Discuss about the communication options for teaching hearing impaired children. How would you tune the home and school environment for facilitating language & communication language.

श्रवण-बाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए संचार विकल्पों के बारे में चर्चा करें। भाषा और संचार भाषा की सुविधा के लिए आप घर और स्कूल के वातावरण का समंजन (ट्यून) कैसे करेंगे?

5. Explain Maxims of teaching and describe their use in teaching hearing-impaired children. Which teaching method you like most describe it and explain why?

शिक्षण सूत्रों की व्याख्या कीजिए तथा श्रवण-बाधित बच्चों को पढ़ाने में उनके उपयोग का वर्णन कीजिए। आपको कौन-सी शिक्षण विधि सबसे अधिक पसंद है, इसका वर्णन करें और समझाएं कि क्यों?

SECTION–B/(खण्ड-ख)
(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains Eight (08) short answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only. (4×8=32)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the need, requirements of Parent-infant programmes for children with HI.

श्रवण-बाधित बच्चों के लिए माता-पिता-शिशु कार्यक्रमों की आवश्यकता, अपेक्षाओं को समझाइए।

2. Describe the role of special educator and parents in individual speech-language therapy programme.

व्यक्तिगत वाणी-भाषा चिकित्सा कार्यक्रम में विशेष शिक्षक और माता-पिता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

3. Describe the types of educational intervention with examples and write their benefits.

शैक्षिक हस्तक्षेप के प्रकारों का उदाहरण सहित वर्णन करें तथा इनके लाभ भी लिखिए।

4. Explain auditory verbal therapy (AVT) and discuss the role of teacher in AVT.

श्रवण मौखिक चिकित्सा (एवीटी) की व्याख्या कीजिए और एवीटी में शिक्षा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

5. What are the strengths and challenges of individual speech teaching?

व्यक्तिगत वाणी शिक्षण की शक्तियां और चुनौतियां क्या हैं?

6. Write the difficulties faced by teacher during language teaching for children with HI?

श्रवण-बाधित बच्चों के लिए भाषा शिक्षण के दौरान शिक्षक के सामने आने वाली कठिनाइयों को लिखें।

7. Explain the principles of early educational intervention and write its utility in psycho-social aspect.

शीघ्र शैक्षिक हस्तक्षेप के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए और मनो-सामाजिक पहलू में इसकी उपयोगिता लिखें।

8. Discuss about the integrated practice of early educational intervention.

शीघ्र शैक्षिक हस्तक्षेप की एकीकृत पद्धति के बारे में विवेचना कीजिए।